अंक योजना
अति गोपनीय
(केवल आंतरिक और सीमित उपयोग हेतु)
सेकंडरी स्कूल वार्षिक परीक्षा, 2026 X)
विषय – सामाजिक विज्ञान (087)
पेपर कोड– 32/1/3

सामान्य निर्देश:-

1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में आकलन प्रक्रिया सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
2.	**मूल्यांकन प्रक्रिया गोपनीय नीति का एक हिस्सा है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।**
3.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का नियमतः पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं अथवा नवाचारी हैं, यदि वह ठीक है उसका मूल्यांकन कर उसे उचित अंक प्रदान करें अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 10वीं कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन परीक्षार्थियों द्वारा सही योग्यता प्रदर्शित की गई हो तो उसे उचित अंक प्रदान कीजिए।
4.	प्रश्न पत्र को चार (04) खंडों में विभाजित किया गया है, अर्थात् खंड–क, खंड–ख, खंड–ग और खंड–घ। खंड–क इतिहास है, खंड–ख भूगोल है, खंड–ग राजनीति विज्ञान है और खंड–घ अर्थशास्त्र हैं 1. उत्तर लिखने के लिए विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान की उत्तर–पुस्तिका को 04 खंडों में विभाजित करेंगे। 2. प्रश्नों के उत्तर केवल संबंधित खंड के लिए निर्धारित स्थान के भीतर ही लिखे जाने हैं। 3. किसी एक खंड का उत्तर किसी अन्य खंड में नहीं लिखा जाना चाहिए और न ही उसके साथ मिलाया जाना चाहिए। 4. यदि उत्तर आपस में मिल जाते हैं, तो उनका मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और कोई अंक प्रदान नहीं किए जाएंगे। 5. परिणाम घोषित होने के बाद सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान भी ऐसी गलतियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही उन पर कोई विचार किया जाएगा।
5.	अंक– योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्र–ति में है और सम्पूर्ण उत्तर नहीं हैं । विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक प्रदान किए जाने चाहिए।
6.	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है । यदि मूल्यांकन में अंतर है तो चर्चा एवं संवाद से उसे अंतर को समाप्त किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तर पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएं कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के मध्य महत्वपूर्ण अंतरों को समाप्त किया जा चुका है।
7.	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। बहुधा मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का चिन्ह नहीं लगाते जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे सामान्य गलती है जो मूल्यांकनकर्ता लगातार कर रहे हैं।

8.	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
9.	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
10.	यदि किसी परीक्षार्थी ने एक प्रश्न को दुबारा हल किया है , तो अधिक अंक वाले प्रयास की गणना मूल्याकंन के लिए किया जाना चाहिए। अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए।
11.	एक ही प्रकार की गलतियों के लिए संचयी प्रभाव से अंक नहीं काटा जाए। इसके लिए लिए केवल एक बार अंक काटा जाएगा।
12.	अंकों का एक पूर्ण पैमाने .....80..... (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
13.	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।
14.	सुनिश्चित करें कि पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियों को आप नहीं दोहराएँः • उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना। • किसी उत्तर के लिए निश्चित किए गए अंक से अधिक अंक प्रदान करना। • एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नवार गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना। • उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन अवॉर्ड सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण। • उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) • उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
15.	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
16.	किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए।
17.	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशा–निर्देशों में दिए गए दिशा–निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।
18.	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों को शब्दों में लिखा गया है।.
19.	बोर्ड उम्मीदवारों के आवेदक के अनुराध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोक, पी प्राप्त करने की अनुमति देता है और संबंधित शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन का अवसर भी प्रदान करता है। मुख्य परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षको को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

MARKING SCHEME
Social Science (Subject Code- 087)
(PAPER CODE: 32/1/3) 2026 Set – 3

अधिकतम अंक -80

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्य बिंदू	पृष्ठ संख्या	अंक
	खंड क **इतिहास**		***20***
1.	(D) राजा रवि वर्मा **(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए)** (D) पंजाब	**123** **125**	**1** **1**
2.	(C) बाल गंगाधर तिलक- केसरी	**127**	**1**
3.	(A) दोनों, (A) और (R) सही है और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।	**55**	**1**
4.	(C) II, IV, I और III	**31, 32, 40 & 44**	**1**
5.	**(A) सोलहवीं शताब्दी से पहले भूमंडलीकरण किस प्रकार शुरू हुआ था? स्पष्ट कीजिए।** (i) भूमंडलीकरण की शुरुआत मुख्य रूप से सिल्क रूट (रेशम मार्ग) के माध्यम से हुई। (ii) भूमंडलीकरण व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से फैला। (iii) सिल्क मार्ग दूर-दराज़ क्षेत्रों के बीच होने वाले प्राचीन व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क का एक अच्छा उदाहरण है। (iv) इतिहासकारों ने कई सिल्क मार्गों की पहचान की है, जो स्थल मार्ग और समुद्री मार्ग दोनों से जुड़े थे। ये मार्ग एशिया के विशाल क्षेत्रों को आपस में जोड़ते थे और एशिया को यूरोप तथा उत्तरी अफ्रीका से भी जोड़ते थे। (v) प्रारंभिक ईसाई मिशनरी इसी मार्ग से एशिया पहुँचे, और कुछ सदियों बाद प्रारंभिक मुस्लिम उपदेशक भी इसी मार्ग से यात्रा करते थे। (vi) इससे भी बहुत पहले, बौद्ध धर्म का उद्भव पूर्वी भारत में हुआ और यह सिल्क मार्ग के विभिन्न शाखाओं के माध्यम से कई दिशाओं में फैल गया। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।** **अथवा** **(B) पूर्व-आधुनिक विश्व में व्यापार ने बीमारियों को फैलाने में किस प्रकार मदद की? स्पष्ट कीजिए।** (i) स्पेनिश विजेताओं के सबसे शक्तिशाली हथियारों में परंपरागत किस्म के सैनिक हथियार नहीं थे । यह हथियार चेचक जैसे कीटाणु थे जो स्पेनिश सैनिकों और अफसरों के साथ वहां जा पहुंचे थे । (ii) लाखों साल से दुनिया से अलग थलग रहने के कारण अमेरिका के लोगों के शरीर में यूरोप से आने वाली इन बीमारियों से बचने की रोग प्रतिरोधी क्षमता नहीं थी।	**54**

	(iii) फलस्वरूप इस नए स्थान पर चेचक एक बहुत मारक साबित हुई। एक बार संक्रमण शुरू होने के बाद तो यह बीमारी पूरे महाद्वीप में फैल गई। (iv) जहाँ यूरोपीय लोग नही पहुंचे थे वहां के लोग भी इसकी चपेट में आने लगे । इसने पूरे -के -पूरे समुदायों को ख़त्म कर डाला और इस तरह घुसपैठियों की जीत का रास्ता आसान होता चला गया। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
6.	**(A) यूरोप में मुद्रण संस्कृति के प्रसार में योहान गुटेनबर्ग की भूमिका की व्याख्या कीजिए।** (i) गुटेनबर्ग ने पत्थर पर पॉलिश लरने की कला सीखी फिर सुनारी और फिर आभूषण बनाने के साँचे (मोल्ड) तैयार करने का ज्ञान भी प्राप्त किया। (ii) अपने इस ज्ञान और अनुभव का इस्तेमाल अपने नये आविष्कार में किया। (iii) उन्होंने जो पहली पुस्तक छापी, वह बाइबिल थी और इसकी 180 प्रतियाँ छापी गईं। (iv) मुद्रण प्रेस का विकास हुआ और यूरोप में पुस्तकों का उत्पादन तेजी से बढ़ा। (v) उनकी इस खोज ने मुद्रण क्रांति (प्रिंट रिवोल्यूशन) को जन्म दिया। (vi) प्रोटेस्टेंट सुधार आंदोलन और पढ़ने का जूनून (रीडिंग मेनिया) मुद्रण क्रांति के महत्वपूर्ण परिणाम थे। (vii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।** **अथवा**	**109**	**3x1= 3**
	(B) प्रोटेस्टेंट धर्म-सुधार आंदोलन के विस्तार में मुद्रण की भूमिका की व्याख्या कीजिए। (i) धर्म सुधारक मार्टिन लूथर ने रोमन कैथोलिक चर्च की आलोचना करते हुए अपनी 'पिच्चानवे स्थापनाएँ' लिखी। (ii) इसकी एक छपी प्रति विटेनबर्ग के गिरिजाघर के दरवाज़े पर टांगी गई । इसमें लूथर ने चर्च को शास्त्रार्थ के लिए चुनौती दी थी । (iii) अचानक लूथर के लेख बड़ी तादात में छपे और पढ़े जाने लगे । (iv) इसके परिणामस्वरूप चर्च में विभाजन हो गया और प्रोटेस्टेंट धर्म सुधार की शुरुआत हुई । (v) कुछ ही हफ़्तों में न्यू टेस्टामेंट के अनुवाद की बहुत सी प्रतियाँ बिक गईं, और तीन महीने के अंदर दूसरा संस्करण निकालना पड़ा । (vi) छपाई ने एक नया बौद्धिक माहौल बनाया और इससे धर्म सुधार आन्दोलन के नए विचारों के प्रसार में मदद मिली । (vii) मुद्रण के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए लूथर ने कहा, "मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम देन है, सबसे बड़ा तोहफा है ।" (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**112**	**3x1= 3**

7.	**(A) "ऑटो वॉन बिस्मार्क जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया का जनक था।" इस कथन की परख कीजिए।** (i) ओटो वॉन बिस्मार्क ने जर्मनी के एकीकरण में निर्णायक भूमिका निभाई और उन्हें इसके वास्तुकार के रूप में जाना जाता है। (ii) उन्होंने जर्मन राज्यों को एकजुट करने के लिए कूटनीति और सावधानीपूर्वक योजना बनाई। (iii) बिस्मार्क ने यह कार्य प्रशा की सेना और नौकरशाही की मदद से पूरा किया । (iv) सात वर्षों के दौरान ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और फ्रांस से तीन युद्धों में प्रशा की जीत हुई और एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई। (v) उसने नए जर्मन राज्यों की स्थापना की और उन्हें संगठित किया। (vi) जनवरी 1871 में, वर्साय में हुए एक समारोह में प्रशा के राजा विलियम प्रथम को जर्मनी का सम्राट घोषित किया गया। (vii) सभा ने प्रशा के काइज़र विलियम प्रथम के नेतृत्व में नए जर्मन साम्राज्य की घोषणा की। (viii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।**	19	5x1=5
	अथवा		
	(B) "1830 का दशक यूरोप में भारी कठिनाई का समय था।" इस कथन की परख कीजिए। (i) 1830 का दशक यूरोप में भारी कठिनाईयां लेकर आया। (ii) उन्नीसवीं सदी के प्रथम भाग में पूरे यूरोप में जनसंख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई । (iii) ज़्यादातर देशों में नौकरी ढूँढने वालों की तादात उपलब्ध रोजगार से अधिक थी। (iv) ग्रामीण क्षेत्रों की अतिरिक्त आबादी शहर जाकर भीड़ से भरी गरीब बस्तियों में रहने लगी। (v) नगरों के लघु उत्पादकों को अक्सर इंग्लैंड से आयातित मशीन से बने सस्ते कपड़े से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा था। (vi) यह प्रतिस्पर्धा कपड़ा उद्योग में ज्यादा झेलनी पड़ रही थी क्योंकि उसका उत्पादन मुख्यतः घरों और छोटे कारखानों में होता था और केवल आंशिक रूप से मशीनीकृत था। (vii) यूरोप के उन इलाको में जहाँ कुलीन वर्ग अभी भी सत्ता में था, कृषक सामंती शुल्कों और जिम्मेदारियों के बोझ तले दबे थे। (viii) खाने पीन की चीज़ों के मूल्य बढ़ने या किसी वर्ष फसल के ख़राब होने से शहर और गाँव में व्यापक गरीबी फ़ैल जाती थी। (ix) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।**	15	5x1=5

8.	**दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** *"**क्रांति की इस पूजा-वेदी पर हम अपना यौवन नैवेद्य के रूप में लाए हैं**"* *बहुत सारे राष्ट्रवादियों को लगता था कि अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष अहिंसा के जरिए पूरा नहीं हो सकता था। 1928 में दिल्ली स्थित फिरोजशाह कोटला मैदान में हुई बैठक में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (एच.एस.आर.ए.) की स्थापना की गई। इस बैठक में कई नौजवान नेता, जिनमें भगत सिंह आदि भी शामिल थे। देश के विभिन्न भागों में क्रांतिकारियों के एच.एस.आर.ए. ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन को विस्तार दिया।* *1929 में जब सिंह और उनके सहयोगी बटुकेश्वर दत्त ने सेंट्रल असेम्बली में बम फेंका तो उसी साल उस वक्त उड़ान पर उड़ान का आयोजन किया जिसमें लार्ड इरविन यात्रा कर रहे थे। जिस समय भगत सिंह पर मुकदमा चला और उन्हें फांसी दी गई उस समय उनकी उम्र केवल 23 वर्ष थी। अपने मुकदमे के दौरान भगत सिंह ने कहा था कि बम और पिस्तौल क्रांति नहीं करते, बल्कि क्रांति की तलवार विचारों की सान पर तेज होती है। "क्रांति मानवजाति का जन्मसिद्ध अधिकार है जिसका अपहरण नहीं किया जा सकता। स्वतंत्रता प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। श्रमिक वर्ग ही समाज का वास्तविक पोषक है। जनता की सर्वोच्च सत्ता की स्थापना श्रमिक वर्ग का अंतिम लक्ष्य है। इन आदर्शों के लिए और इस विश्वास के लिए हमें जो भी दंड दिया जाएगा, हम उसका सहर्ष स्वागत करेंगे। क्रांति ही इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था को समाप्त कर सकती है। क्रांति के इस पावन ध्येय के लिए हम अपने यौवन का नैवेद्य समर्पित करते हैं।"* **8.1 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' का गठन भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्त्वपूर्ण मोड़ क्यों माना जाता है? 1** (i) बहुत सारे राष्ट्रवादियों को लगता था कि अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष अहिंसा के जरिए पूरा नहीं हो सकता। (ii) इससे युवा क्रांतिकारियों के नए नेतृत्व का उदय हुआ। (iii) इसने राष्ट्रवादी भावना के प्रसार में सहायता की। (iv) इसने राष्ट्रीय भावनाओं को प्रोत्साहित किया और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा दिया। (v) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है ।** **8.2 भगत सिंह के मुक़दमे के भाषणों ने उन्हें एक क्रांतिकारी से स्वतंत्रता के दार्शनिक में कैसे बदल दिया? 1** (i) भगत सिंह ने कहा था कि वे 'बम और पिस्तौल' की उपासना नहीं करते बल्कि समाज में क्रांति चाहते हैं। (ii) भगत सिंह की व्यापक दृष्टि समाज, राजनीति और संस्कृति के क्षेत्रों में परिवर्तन लाने वाली थी। (iii) वे समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन लाना चाहते थे। (iv) उन्होंने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध राष्ट्रवाद का महिमामंडन किया। (v) उनके भाषणों में स्वतंत्रता, न्याय और सामाजिक समानता के विचारों की चर्चा होती थी, जो स्वतंत्रता से जुड़े दार्शनिक विचारों को व्यक्त करते थे। (vi) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है ।** **8.3 भगत सिंह ने अपनी पीढ़ी के लिए 'क्रांति' के अर्थ को किस प्रकार पुनर्परिभाषित किया? स्पष्ट कीजिए। 2x1=2** (i) वह मानते थे कि क्रांति मनुष्य का अहरणीय अधिकार है। (ii) वह मानते थे कि स्वतंत्रता मानवजाति का अपरिहार्य जन्मसिद्ध अधिकार है। (iii) वे चाहते थे कि युवा राष्ट्र की स्वतंत्रता के उद्देश्य के लिए त्याग करें। (iv) वे क्रांति की कामना करते थे ।	**41**	**1+1+2=4**

	(v) 'इंक़लाब ज़िंदाबाद!' का नारा भारतीयों में स्वतंत्रता की भावना जगाने के लिए इस्तेमाल किया गया। (vi) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		
9.	**(कृपया संलग्न मानचित्र को देखें ।)** **नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 9 के स्थान पर है :** **A. उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ 13 अप्रैल, 1919 को जनरल डायर ने एक शांतिपूर्ण सभा पर गोली चलाने के आदेश दिए थे।** जलियाँवाला बाग/अमृतसर **B. उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ सन् 1927 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था।** मद्रास/चेन्नई	**32**	**1+1=2** **1** **1**
	खंड ख **भूगोल**		***20***
10.	(C) उत्तराखंड	**16**	**1**
11.	(C) I -(c), II-(d), III-(a), IV-(b)	**30, 31**	**1**
12.	(C) अलौह खनिज	**43, 44**	**1**
13.	(D) भौतिक और मानवीय कारक	**4**	**1**
14.	(B) मानस-असम	**15**	**1**
15.	(B) लैटेराइट मृदा	**9**	**1**
16.	**बेहतर उत्पादकता और जैविक खेती के लिए कोई दो उपाय सुझाइए।** (i) जैविक खाद और कंपोस्ट का उपयोग मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है। (ii) फसलों को प्राकृतिक रूप से आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। (iii) विभिन्न फसलों को क्रमबद्ध रूप से उगाना, कीटों की समस्या कम करता है। (iv) जैविक कीट नियंत्रण प्राकृतिक और जैविक कीटनाशकों के द्वारा बिना हानिकारक रसायनों के प्रयोग से फसलों की रक्षा करता है । (v) फसल चक्र के उपयोग से मृदा की उत्पादकता में वृद्धि करना । (vi) ड्रिप सिंचाई का उपयोग करना। (vii) मेंढ़ बनाना । (viii)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**	**38**	**2x1=2**

17.	**(A) बढ़ती ऊर्ज की माँगों को पूरा करने में परमाणु ऊर्जा की भूमिका की परख कीजिए।** (i) परमाणु अथवा आणविक ऊर्जा अणुओं की संरचना बदलने से प्राप्त की जाती है। (ii) जब ऐसा परिवर्तन किया जाता है, तो ऊष्मा के रूप में काफी ऊर्जा विमुक्त होती है और इसका उपयोग विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए किया जाता है। (iii) यूरेनियम और थोरियम, जो झारखंड और राजस्थान की अरावली पर्वत श्रृंखला में पाए जाते हैं , का प्रयोग परमाणु अथवा आणविक ऊर्जा के उत्पादन में किया जाता है। (iv) केरल में मिलने वाली मोनाजाइट रेत में भी थोरियम की मात्रा पायी जाती है। (v) नाभिकीय ऊर्जा का उपयोग औद्योगिक कार्यों और कैंसर उपचार में किया जाता है। (vi) नाभिकीय ऊर्जा का उपयोग रक्षा उद्देश्यों में भी किया जाता है। (vii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।**	53	5x1=5
	अथवा		
	(B) नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत के रूप में भू-तापीय ऊर्जा की दक्षता की परख कीजिए। (i) पृथ्वी के आतंरिक भागों से ताप का प्रयोग कर उत्त्पन्न की जाने वाली विद्युत् को भूतापीय ऊर्जा कहते हैं । (ii) भूतापीय ऊर्जा इसलिए अस्तित्व में होती है क्योंकि बढती गहराई के साथ पृथ्वी प्रगामी ढंग से तप्त हो जाती है । (iii) जहाँ भूतापीय प्रवरता अधिक होती है वहां उथली गहराइयों पर भी अधिक तापमान पाया जाता है । (iv) ऐसे क्षेत्रों में भूमिगत जल चट्टानों से ऊष्मा का अवशोषण कर तप्त हो जाता है । (v) यह इतना तप्त हो जाता है कि यह पृथ्वी की सतह की ओर उठता है तो यह भाप में परिवर्तित हो जाता है । इसी भाप का उपयोग टरबाइन को चलाने और विद्युत् उत्त्पन्न करने के लिए किया जाता है । (vi) भारत में सैंकड़ों गर्म पानी के चश्मे हैं जिनका विद्युत् उत्पादन में प्रयोग किया जा सकता है । (vii) भूतापीय ऊर्जा के दोहन के लिए भारत में दो प्रायोगिक परियोजनाएँ शुरू की गई हैं । एक हिमाचल प्रदेश में मणिकरण के निकट पार्वती घाटी में स्थित है तथा दूसरा लदाख में पुगा घाटी में स्थित है । (viii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।**	55	5x1=5

18.	***दिए गए स्रोतों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :***	**25**	**1+1+2=4**

बाढ़

बाढ़ के समय लिए जाने वाले महत्त्वपूर्ण सुरक्षा उपाय :

- *मौसम के ताजा बुलेटिन और बाढ़ की चेतावनियों के लिए रेडियो/टीवी सुनें। यह जानकारी दूसरों तक भी पहुँचाएँ।*
- *एक प्राथमिक आपातकालीन किट तैयार रखें, जिसमें पोर्टेबल रेडियो/टॉर्च, अतिरिक्त बैटरियाँ, प्राथमिक उपचार बॉक्स व आवश्यक दवाइयाँ, ओआरएस, सूखा भोजन, पीने का पानी, मोमबत्तियाँ, माचिस और अन्य जरूरी सामान शामिल हों।*
- *अपने घर में हरिकेन लैम्प, रस्सियाँ, रबड़ ट्यूब, छाता और बाँस की छड़ी रखें। ये उपयोगी हो सकते हैं।*
- *नकद धनराशि, गहने, कीमती सामान और महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ सुरक्षित स्थान पर रखें।*
- *बाढ़ आने की स्थिति में परिवार के सदस्यों और पशुओं के साथ सुरक्षित स्थान जैसे राहत शिविर, निकासी केन्द्र या ऊँचे मैदानों पर चले जाएँ और वहाँ शरण लें।*
- *घर छोड़ने से पहले बिजली और गैस कनेक्शन बंद कर दें।*

बाढ़ के दौरान

- *बाढ़ के पानी में प्रवेश न करें, यह खतरनाक हो सकता है।*
- *बच्चों को बाढ़ के पानी में या उसके आसपास न खेलने दें।*
- *सीवर लाइन, नालियों, ड्रेनों और कलवर्ट्स से दूर रहें।*
- *साँपों से सावधान रहें, बाढ़ के समय साँप के काटने की घटनाएँ आम होती हैं।*
- *बिजली के खंभों और गिरी हुई तारों से दूर रहें ताकि करंट से बचा जा सके।*
- *गीले विद्युत उपकरणों का उपयोग न करें, उपयोग से पहले उनकी जाँच कराएँ।*
- *ताज़ा पका हुआ और सूखा भोजन खाएँ। भोजन को हमेशा ढककर रखें।*
- *उबला और छना हुआ पानी ही पिएँ।*
- *घर के आसपास की नालियाँ और गटर साफ रखें।*
- *पानी का जमाव मच्छरों और जल-जनित बीमारियों को जन्म दे सकता है। बीमार पड़ने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें।*
- *आसपास की सफाई और कीटाणुनाशन के लिए ब्लीचिंग पाउडर और चूने का उपयोग करें।*

18.1 बाढ़ के बाद पानी का उपयोग करने से पहले कोई एक सावधानी सुझाइए। **1**

(i) पानी पीने से पहले उबालें।
(ii) छना हुआ पानी पिएँ।
(iii) पानी को कीटाणु-मुक्त करें।
(iv) साफ और ढके हुए बर्तन का उपयोग करें।
(v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

किसी एक बिन्दु का उल्लेख करना अपेक्षित है ।

18.2 बाढ़ के दौरान खाद्य सामग्री सुरक्षा संबंधित किन्हीं दो उपायों का उल्लेख कीजिए। **½ + ½ = 1**

(i) ताज़ा पका हुआ और सूखा भोजन खाएँ।
(ii) हमेशा अपने भोजन को ढँक कर रखें।
(iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

किन्हीं दो का उल्लेख करना अपेक्षित है ।

18.3 बाढ़ की चेतावनी के दौरान घर से निकलने से पहले के कोई दो उपाय सुझाइए। **2x1=2**

(i) मौसम के ताज़ा बुलेटिन और बाढ़ चेतावनियों के लिए रेडियो/टीवी सुनें।
(ii) एक पारिवारिक आपातकालीन किट तैयार रखें।
(iii) यह जानकारी दूसरों तक भी पहुँचाएँ।

	(iv) नकद धनराशि, गहने, कीमती सामान और महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ सुरक्षित स्थान पर रखें। (v) बाढ़ आने की स्थिति में परिवार के सदस्यों और पशुओं के साथ सुरक्षित स्थान जैसे राहत शिविर, निकासी केन्द्र या ऊँचे मैदानों पर चले जाएँ और वहाँ शरण लें। (vi) घर छोड़ने से पहले बिजली और गैस कनेक्शन बंद कर दें। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
19.	**(कृपया संलग्न मानचित्र को देखें।)** **नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 19 के स्थान पर है। किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए **:** **19.1 उस बांध का नाम लिखिए जो महानदी पर स्थित है।** -हीराकुड बाँध **19.2 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ उत्तर प्रदेश में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थित है।** -नरोरा **19.3 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ महाराष्ट्र में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थित है।** -पुणे/ मुंबई **19.4 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ गुजरात में प्रमुख समुद्री पत्तन अवस्थित है।** -कांडला		**1+1+1=3** **1** **1** **1** **1**
	खंड ग **राजनीति विज्ञान**		***20***
20.	(A) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)	**54 -56**	**1**
21.	(C) (A) सही है परन्तु, (R) गलत है।	**2**	**1**
22.	(B) I, III और IV सही है।	**24**	**1**
23.	(C) बहु-कार्य और सम्पूर्ण **(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए)** (C) नारीवाद	**31** **32**	**1** **1**
24.	**संघवाद की किन्हीं दो विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।** (i) संघवाद में सरकार दो या अधिक स्तरों वाली होती हैं। (ii) अलग-अलग स्तर की सरकारें एक ही नागरिक समूह पर शासन करती हैं पर कानून बनाने, कर वसूलने और प्रशासन का उनका अपना-अपना अधिकार-क्षेत्र होता है। (iii) विभिन्न स्तरों की सरकारों के अधिकार-क्षेत्र संविधान में स्पष्ट रूप से वर्णित हैं इसलिए, संविधान सरकार के हर स्तर के अस्तित्व और प्राधिकार की गारंटी और सुरक्षा देता है । (iv) संविधान के मौलिक प्रावधानों को किसी एक स्तर की सरकार अकेले नहीं बदल सकती । ऐसे बदलाव दोनों स्तर की सरकारों की सहमती से ही हो सकते हैं ।	**15**	**2x1=2**

	(v) अदालतों को संविधान और विभिन्न स्तर की सरकारों के अधिकारों की व्याख्या करने का अधिकार है। (vi) वित्तीय स्वायत्तता निश्चित करने के लिए विभिन्न स्तर की सरकारों के लिए राजस्व के अलग-अलग स्रोत निर्धारित हैं । (vii) इस प्रकार संघीय शासन की व्यवस्था के दोहरे उद्देश्य हैं: देश की एकता की सुरक्षा करना और उसे बढ़ावा देना तथा इसके साथ ही क्षेत्रीय विविधता का पूरा सम्मान करना। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
25.	**ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा में महिलाओं को समर्थन देने के कोई दो उपाय सुझाइए।** (i) गाँवों में लड़कियों के स्कूल खोलने से ग्रामीण लड़कियों के लिए शिक्षा आसानी से सुलभ हो सकती है। जब स्कूल नज़दीक होते हैं, तो माता-पिता अपनी बेटियों को पढ़ाई के लिए भेजने में अधिक सुरक्षित और सहज महसूस करते हैं। (ii) गाँव के स्कूलों में अलग सुविधाएँ और सहायक वातावरण प्रदान करने से अधिक लड़कियाँ दाखिला लेने और अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित होती हैं। (iii) गाँवों में कौशल शिक्षा विकास केंद्र, व्यावसायिक संस्थान और आईटीआई स्थापित करने से लड़कियों को व्यावहारिक और रोजगार-उन्मुख प्रशिक्षण प्राप्त हो सकता है। (iv) ऐसी व्यावसायिक शिक्षा लड़कियों को उपयोगी कौशल विकसित करने में मदद करती है, नौकरी मिलने की संभावनाएँ बढ़ाती है और उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाती है। (v) ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने से लड़कियों की शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी फैलती है और परिवारों को अपनी बेटियों की शिक्षा का समर्थन करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। (vi) उन्हें शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता या छात्रवृत्ति प्रदान की जानी चाहिए। (vii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं दो सुझाव बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**30-33**	**2x1=2**
26.	**"लोकतंत्र में राजनीतिक दल अनेक कार्य करते हैं।" इस कथन की व्याख्या उदाहरणों सहित कीजिए।** (i) राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं। (ii) राजनीतिक दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को रखते हैं। (iii) वे तरह-तरह के विचारों को कुछ बुनियादी राय तक समेट लाते हैं। सरकार प्रायः शासकदल की राय के अनुरूप अपनी नीतियाँ तय करती हैं। (iv) पार्टियाँ देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। (v) पार्टियाँ नेताओं को चुनती हैं, उनको प्रशिक्षित करती हैं और उन्हें मंत्री बनाती हैं ताकि वे सरकार चला सकें। (vi) चुनाव हारने वाले दल शासक दल के विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते हैं । सरकार की गलत नीतियों और असफलताओं की आलोचना करने के साथ वह अपनी अलग राय भी रखते हैं। विपक्षी दल सरकार के खिलाफ आम जनता को भी गोलबंद करते हैं ।	**48, 49**	**3x1=3**

	(vii) जनमत निर्माण में राजनीतिक दल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । वे मुद्दों को उठाते हैं और उनपर बहस करते हैं। समाज के विभिन्न वर्गों में उनके मित्र संगठन या दबाव समूह भी काम करते रहते हैं । (viii) राजनीतिक दल ही सरकारी मशीनरी और सरकार द्वारा चलाये जाने वाले कल्याण कार्यक्रमों तक लोगों की पहुँच बनाते हैं। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
27.	**(A) "लोकतंत्र नागरिकों को शांतिपूर्ण और सद्भावपूर्ण जीवन उपलब्ध कराता है।" इस कथन की परख कीजिए।** (i) यह गौर करना ज़रूरी है कि लोकतंत्र का सीधे-सीधे अर्थ बहुमत की राय से शासन करना नहीं है । (ii) बहुमत को सदा ही अल्पमत का ध्यान रखना होता है । उसके साथ काम करने की ज़रूरत होती है तभी सरकार जनसामान्य की इच्छा का प्रतिनिधित्व कर पाती है । बहुमत और अल्पमत की राय कोई स्थायी चीज़ नही होती । (iii) यह भी समझना ज़रूरी है कि बहुमत के शासन का अर्थ बहुसंख्यक समूह का शासन नहीं होता। (iv) लोकतंत्र तभी तक लोकतंत्र रहता है जब तक प्रत्येक नागरिक को किसी ना किसी अवसर पर बहुमत का हिस्सा बनने का मौका मिलता है। (v) अगर किसी को जन्म के आधार पर बहुसंख्यक समाज का हिस्सा बनने से रोका जाता है तब लोकतान्त्रिक शासन उस व्यक्ति या समूह के लिए समावेशी नहीं रह जाता। (vi) सरकारों को सामान्य जनमत का प्रतिनिधित्व करने के लिए बहुमत को हमेशा अल्पमत के साथ काम करना आवश्यक होता है। (vii) लोकतंत्र यह सुनिश्चित करता है कि सभी नागरिकों को भाग लेने और प्रतिनिधित्व पाने का अवसर मिले, जिससे नागरिकों के बीच शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण जीवन संभव हो। (viii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिंदुओं की परख अपेक्षित है।** **अथवा**	**70**	**5x1=5**
	(B) "लोकतंत्र विचार-विमर्श और बातचीत के विचार पर आधारित है।" इस कथन की परख कीजिए। (i) एक लोकतंत्र में मुख्य चिंता यह सुनिश्चित करनी होती है कि नागरिकों को अपने शासकों को चुनने का अधिकार हो और शासक जनता के प्रति जवाबदेह बने रहें। (ii) नागरिकों को उन निर्णयों में भाग लेने का अधिकार होना चाहिए जो उनके जीवन और पूरी समुदाय को प्रभावित करते हैं। (iii) एक लोकतांत्रिक सरकार को निर्णय लेने में अधिक समय लगता है क्योंकि उसे उचित प्रक्रियाओं का पालन करना होता है और किसी भी कार्य को अंतिम रूप देने से पहले कई हितधारकों से परामर्श करना पड़ता है।	**65**	**5x1=5**

	(iv) लोकतंत्र में इस बात की पक्की व्यवस्था होती है कि फैसले कुछ स्थापित कायदे-कानून के अनुसार होंगे । (v) एक नागरिक, जो यह जानना चाहता है कि कोई निर्णय सही प्रक्रियाओं का पालन करके लिया गया है या नहीं, उसके पास निर्णय लेने की प्रक्रिया की जांच करने का अधिकार और साधन होना चाहिए। (vi) लोकतांत्रिक सरकार नागरिकों को निर्णय प्रक्रिया में हिस्सेदारी बनाने और खुद को उनके प्रति जवाबदेह बनाने वाली कार्यविधि भी विकसित कर लेती है। (vii) लोकतंत्र नियमित और निष्पक्ष चुनाव कराने और खुली सार्वजनिक चर्चा के लिए उपयुक्त स्थितियाँ बनाने के मामले में लोकतान्त्रिक व्यवस्थाएँ ज्यादा सफल हुईं हैं। (viii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिंदुओं की परख अपेक्षित है।**		
28.	**दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **सत्ता की भागीदारी** *सत्ता के बँटवारे का एक रूप हम विभिन्न प्रकार के दबाव समूह और आंदोलनों द्वारा शासन को प्रभावित और नियंत्रित करने के तरीके में भी लक्ष्य कर सकते हैं। लोकतंत्र में लोगों के सामने सत्ता के दावेदारों के बीच चुनाव का विकल्प ज़रूर रहना चाहिए। समकालीन लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में यह विकल्प विभिन्न पार्टियों के रूप में उपलब्ध होता है। पार्टियाँ सत्ता के लिए आपस में प्रतिस्पर्धा करती हैं। पार्टियों की यह आपसी प्रतिद्वंद्विता ही इस बात को सुनिश्चित कर देती है कि सत्ता एक व्यक्ति या समूह के हाथ में न रहे। एक बड़ी समयावधि पर गौर करें तो पाएँगे कि सत्ता बारी-बारी से अलग-अलग विचारधारा और सामाजिक समूहों वाली पार्टियों के हाथ आती-जाती रहती है। कई बार सत्ता की यह भागीदारी एकदम प्रत्यक्ष दिखती है क्योंकि दो या अधिक पार्टियाँ मिलकर चुनाव लड़ती हैं या सरकार का गठन करती हैं। लोकतंत्र में हम व्यापारी, उद्योगपति, किसान और औद्योगिक मजदूर जैसे कई संगठित हित समूहों को भी सक्रिय देखते हैं। सरकार की विभिन्न समितियों में सीधी भागीदारी करके या नीतियों पर अपने सदस्य वर्ग के लाभ के लिए दबाव बनाकर ये समूह भी सत्ता में भागीदारी करते हैं।* **28.1 दबाव समूह सरकार को किस प्रकार प्रभावित करते हैं? 1** (i) दबाव समूह सरकारी समितियों में विभिन्न विचारधाराओं और सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। (ii) ये जनता में विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करते हैं। (iii) ये निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है ।** **28.2 सत्ता की साझेदारी में सामाजिक समूह किस प्रकार लाभान्वित होते है? 1** (i) विभिन्न सामाजिक समूहों जैसे भाषाई और सांस्कृतिक समूहों के हितों की सुरक्षा। (ii) अल्पसंख्यकों का उचित प्रतिनिधित्व। (iii) मतभेदों का कम होना । (iv) स्थिरता सुनिश्चित करता है। (v) सामाजिक रूप से कमज़ोर वर्ग और महिलाएँ विधानमंडल और प्रशासन में प्रतिनिधित्व पाती हैं ।	**9**	**1+1+2=4**

	(vi) हमारे देश की राज्य विधानसभाओं और संसद में आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की प्रणाली सरकार में विविध सामाजिक समूहों जो स्थान देती है । (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (viii) **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है ।** **28.3 सत्ता की साझेदारी में नागरिकों के योगदान की व्याख्या कीजिए। 2x1=2** (i) सरकारी समितियों और शाखाओं में भाग लेकर। (ii) निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित कर। (iii) हित समूहों या नागरिक समाज संगठनों में भाग लेकर। (iv) सरकार की गतिविधियों की निगरानी करके। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
	खंड घ **अर्थशास्त्र**		***20***
29.	(D) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम	**13**	**1**
30.	(C) व्यापार पर से प्रतिबंध हटाना	**64**	**1**
31.	(B) नजदीकी राष्ट्रीयकृत बैंक	**43**	**1**
32.	(C) a-(iii), b-(iv), c-(ii), d-(i)	**33, 34**	**1**
33.	(C) 82	**12**	**1**
34.	(A) 7 वर्ष	**10**	**1**
35.	**"नई प्रौद्योगिकी ने दुनिया को आपस में जुड़ने में सहायता की है।" इस कथन को उपयुक्त तर्कों द्वारा न्यायसंगत ठहराइये।** (i) प्रौद्योगिकी में तेजी से सुधार ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया है। (ii) परिवहन प्रौद्योगिकी में सुधार ने लंबी दूरी पर वस्तुओं की शीघ्र वितरण को कम लागत में संभव बनाया। (iii) सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में विकास, विशेष रूप से दूरसंचार, कंप्यूटर और इंटरनेट ने दुनिया को आपस में जुड़ने में सहायता की है एवम जानकारियों तक त्वरित पहुँच बनाने में मदद करती है। (iv) इसका उपयोग दुनिया भर में एक-दूसरे से संपर्क करने, जानकारी तुरंत प्राप्त करने और दूरदराज़ के क्षेत्रों से संवाद करने के लिए किया जाता है। (v) उपग्रह संचार उपकरणों ने वैश्विक संचार और जानकारी साझा करने को आसान बनाया है। (vi) कंप्यूटर अब लगभग हर क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है, जिससे सूचना प्रबंधन और संचार आसान हो गया है। (vii) इंटरनेट हमें लगभग किसी भी विषय पर जानकारी प्राप्त करने और साझा करने, तुरंत इलेक्ट्रॉनिक डाक(e-mail) भेजने और दुनिया भर में वाणी संदेश (voice-mail) या संवाद करने की सुविधा प्रदान करता है, और इसकी लागत नगण्य होती है।	**62, 63**	**3x1=3**

	(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्ही तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		
36.	**ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण के औपचरिक स्रोतों का विस्तार क्यों आवश्यक है? स्पष्ट कीजिए।** (i) औपचारिक क्षेत्रक ऋण में बैंकों और सहकारी समितियों से लिए गए क़र्ज़ आते हैं। (ii) भारतीय रिज़र्व बैंक ऋणों के औपचारिक स्रोतों की कार्यप्रणाली पर नज़र रखता है । (iii) बैंकों और सहकारी समितियों को अपनी गतिविधियाँ विशेषकर ग्रामीण इलाकों में बढ़ाने की ज़रूरत है ताकि क़र्ज़दारों की अनौपचारिक स्रोत पर से निर्भरता घटे । (iv) यदि एक तरफ औपचारिक स्रोत के ऋणों का विस्तार होना चाहिए तों दूसरी ओर यह भी ज़रूरी है कि यह ऋण सभी लोगों को प्राप्त हो सके । (v) यह ज़रूरी है कि औपचारिक ऋण का अधिक सामान वितरण हो, ताकि गरीब परिवार भी सस्ते ऋण का फायदा उठा सके । (vi) औपचारिक ऋण पर ब्याज दर कम होती है। इससे लोगों के ऋण जाल में फँसने की संभावना कम हो जाती है। (vii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**48, 50**	**3x1=3**
37.	**विकास की धारणीयता क्यों आवश्यक है ? उदहारण सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) सतत् विकास पर्यावरण के अनुकूल आर्थिक विकास है। (ii) भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है। (iii) संसाधनों का उपयोग उनकी उपलब्धता के अनुसार किया जाना चाहिए। (iv) सतत् और विवेकपूर्ण तरीके से वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा किया जाना चाहिए। (v) सतत् विकास के लिए वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री, दार्शनिक और अन्य सामाजिक वैज्ञानिक मिलजुल कर काम कर रहे हैं। (vi) भूमिगत जल नवीकरणीय साधन का उदाहरण है। फसल और पौधों की तरह इन साधनों की पुनः पूर्ति प्रकृति करती है। (vii) हम सब का भविष्य तेजी से समाप्त हो रहे संसाधनों से जुड़ा है । (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है ।**	**14, 15, 16**	**3x1=3**
38.	**(A) ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोज़गार सृजन में सार्वजानिक कार्यक्रमों का वर्णन कीजिए।** (i) सार्वजनिक कार्यक्रम उन रोजगारों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो भूमि की उत्पादकता बढ़ाते हैं और दीर्घकालिक ग्रामीण तथा शहरी विकास में योगदान देते हैं।	**23,28,29**	**5x1=5**

	(ii) केंद्र सरकार 'काम का अधिकार अधिनियम' के तहत लोगों को रोजगार की गारंटी देती है। (iii) केंद्र सरकार ने काम का अधिकार अधिनियम देश के सभी जिलों में लागू किया है। (iv) इसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 (MGNREGA 2005) कहा जाता है।अब इसका नाम बदल कर विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025 (VB-G RAM G Act, 2025) कर दिया गया है। (v) मनरेगा 2005 के अंतर्गत उन सभी लोगों , जो काम करने में सक्षम हैं और जिन्हें काम की आवश्यकता है, को सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में वर्ष में 100 दिन के रोज़गार की गारंटी दी गई है । (vi) विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025 (VB-G RAM G Act, 2025) के अंतर्गत 125 दिन की रोज़गार की गारंटी दी गई है। (vii) रोजगार प्रदान करना सरकार की ज़िम्मेदारी है अन्यथा वह लोगों को बेरोजगारी भत्ता देगी । (viii) इस अधिनियम के तहत उस तरह के कामों को वरीयता दी जाएगी जिसमे भविष्य में भूमि से उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। (ix) रोजगार बढ़ाने के लिए कृषि का विकास किया गया है। (x) मेट्रो रेल निर्माण, राजमार्गों और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) की परियोजनाओं से शहरी रोज़गार उत्पन्न होते हैं जिसमें अधिक श्रमिकों के पंजीकरण की आवश्यकता होती है। (xi) ये कार्यक्रम नियमित काम और आय प्रदान करते हैं, जिससे जीवन स्तर में सुधार होता है और गरीबी कम होती है। (xii) शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, वस्त्र इकाइयों और हस्तशिल्प उद्योगों जैसे लघु एवं मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहित किया जाता है। (xiii) सार्वजानिक कार्यक्रम के द्वारा परिवहन, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, खुदरा दुकानों और रेस्तरां जैसे सेवा क्षेत्र का विस्तार किया गया है ताकि अधिक रोजगार सृजित किए जा सकें। (xiv) योजना आयोग (नीति आयोग) द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, केवल शिक्षा क्षेत्र में ही लगभग 20 लाख नौकरियां उत्पन्न की जा सकती हैं। (xv) सार्वजनिक कार्यक्रम योजनाएँ यह सुनिश्चित करती हैं कि नागरिक उत्पादक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें और साथ ही अपने क्षेत्रों के समग्र विकास में योगदान दें। (xvi) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिंदुओं का वर्णन अपेक्षित है।** **अथवा** **(B) ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक क्षेत्रक की भूमिका का वर्णन कीजिए।** (i) प्राथमिक क्षेत्रक ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का मुख्य स्रोत है, क्योंकि अधिकांश लोग कृषि, डेयरी, वानिकी और मत्स्यन पर निर्भर हैं। (ii) यह दैनिक जीवन और स्थानीय उपयोग के लिए आवश्यक कच्चा माल उत्पादन करता है। जैसे डेयरी गतिविधियों में हम दूध उत्पन्न करने के लिए जानवरों की जैविक प्रक्रियाओं और चारे की उपलब्धता पर निर्भर करते हैं, जो एक प्राकृतिक उत्पाद है। (iii) यह ग्रामीण परिवारों - किसान, मजदूर और छोटे उत्पादक के लिए रोजगार पैदा करता है।	**20**	**5x1=5**
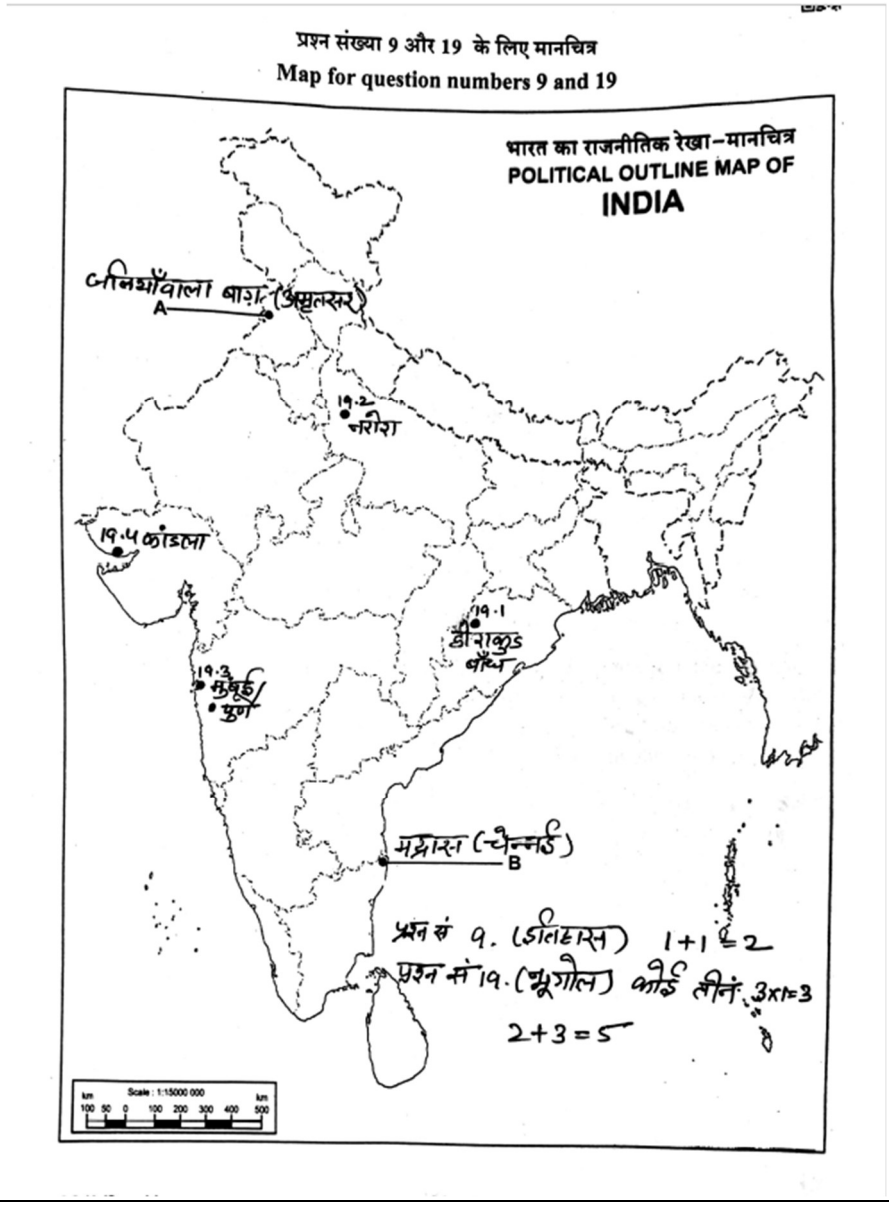
	(iv) प्राथमिक क्षेत्रक अन्न और अन्य संसाधन सुरक्षा सुनिश्चित करता है, जैसे कि अनाज, सब्जियाँ, फल, लकड़ी और दूध की आपूर्ति। (v) यह ग्रामीण क्षेत्रों में अन्य आर्थिक गतिविधियों की नींव तैयार करता है, जैसे लघु-स्तरीय खाद्य प्रसंस्करण और कुटीर उद्योग। (vi) इस क्षेत्रक की गतिविधियाँ सीधे प्राकृतिक संसाधनों से जुड़ी होती हैं, इसलिए ग्रामीण समुदाय अपनी आजीविका के लिए भूमि, जल, पौधों और जानवरों पर निर्भर रहते हैं। (vii) प्राथमिक क्षेत्रक ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। (viii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिंदुओं का वर्णन अपेक्षित है।**		
	नोट : कृपया प्रश्न संख्या 9 और 19 के उत्तर के लिए संलग्न मानचित्र देखें ।